नईदुनिया

केंद्र ने कर्मचारी भविष्य निधि योजना-2026 अधिसूचित की, 29 जून से हुई प्रभावी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना 2026 को अधिसूचित कर दिया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) संचालित यह योजना 29 जून से प्रभावी हो गई है। नई योजना 1952 की कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम का स्थान लेगी।

पीएफओ की नई योजनाओं में डिजिटल अनुपालन एवं दावों के समयबद्ध निपटान पर रहेगा जोर

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 2026, कर्मचारी पेंशन योजना, 2026 और कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना, 2026 को अधिसूचित किया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन संचालित नई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में डिजिटल अनुपालन और भविष्य निधि (पीएफ) निकासी तथा पेंशन निर्धारण जैसे दावों के समयबद्ध निपटान पर विशेष जोर रहेगा।

इस योजना का उद्देश्य डिजिटल अनुपालन को मजबूत करना, प्रशासनिक दक्षता में सुधार करना, खातों के स्थानांतरण को आसान बढ़ाना और भविष्य निधि ढांचे को नए श्रम कानून के अनुरूप बनाना है। नई योजना में अनिवार्य ईपीएफ अंशदान कर्मचारी और नियोक्ता दोनों के वेतन का 12 फीसदी बना रहेगा। केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिष्ठानों पर मौजूदा 10 फीसदी की दर लागू रहेगी।

श्रम मंत्रालय नई ईपीएफओ स्कीम के तहत डिजिटल कंप्लायंस और क्लेम के समय पर निपटारे पर ध्यान देगा। रिटायरमेंट फंड बाडी ईपीएफओ द्वारा चलाई जा रही नई सोशल सिक्योरिटी स्कीम में डिजिटल कंप्लायंस और क्लेम (जैसे पीएफ निकालना और पेंशन तय करना) के समय पर निपटारे पर खास ध्यान दिया जाएगा।

मंत्रालय के मुताबिक इस योजना में आंशिक निकासी के नियमों को भी अद्यतन किया गया है। योजना में पारदर्शिता में सुधार और भविष्य निधि प्रबंधन को अधिक कुशल बनाने के लिए इलेक्ट्रानिक फाइलिंग, आनलाइन दावों, ई-पासबुक और यूनिवर्सल खाता संख्या से जोड़ने पर भी जोर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने पुरानी 1952 की व्यवस्था को बदलकर अब सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत 29 जून से देश में नई ईपीएफ स्कीम लागू की है। अब नौकरीपेशा लोग बीमारी, शिक्षा, शादी और घर जैसी जरूरतों के लिए अपने पीएफ अकाउंट से पात्र 75 फीसदी राशि का 100 फीसदी तक पैसा निकाल सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

मेकान अब मिनीरत्न श्रेणी-1 कंपनी, वित्तीय स्वायत्तता और विकास की गति बढ़ेगी

मुंबई। रांची मुख्यालय वाली मेटलर्जिकल एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड (मेकान) को इस्पात मंत्रालय ने मिनीरत्न श्रेणी-1 का दर्जा दे दिया है। यह फैसला कंपनी के उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन और मजबूत स्थिति का परिणाम है, जिससे उसके संचालन में अब और अधिक स्वायत्तता आएगी। कंपनी ने हाल के तीन वित्तीय वर्षों में लगातार लाभ दर्ज किया है, जिसमें 77.62 करोड़ रुपये, 32.08 करोड़ रुपये और 104.53 करोड़ रुपये का कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) शामिल है। साथ ही, इसने 535.42 करोड़ रुपये की सकारात्मक शुद्ध संपत्ति भी दर्ज की है, जो इसे सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा मिनीरत्न श्रेणी-1 के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करती है। इस दर्जे से मेकान के बोर्ड को वित्तीय और परिचालन संबंधी स्वायत्तता में उल्लेखनीय वृद्धि प्राप्त होगी। शक्तियों के इस बढ़े हुए प्रत्यायोजन से कंपनी को निवेश, आधुनिकीकरण, तकनीकी उन्नयन और व्यापार विस्तार परियोजनाओं को अधिक लचीलेपन और गति के साथ क्रियान्वित करने में मदद मिलेगी, जिससे उसके भविष्य के विकास पथ को मजबूती मिलेगी। वर्ष 1959 में स्थापित मेकान देश की प्रमुख इंजीनियरिंग, परामर्श और परियोजना प्रबंधन कंपनियों में से एक है। इसने इस्पात क्षेत्र के साथ-साथ खनन, अवसंरचना, बिजली, तेल एवं गैस जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह निर्णय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को सशक्त बनाने और उन्हें देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के सरकार के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप है ।

रिकार्ड स्तर पर रूसी तेल आयात, भारत की बदलती ऊर्जा रणनीति

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और भू-राजनीतिक बदलावों के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। जून महीने में भारत ने रूस से रिकार्ड 25.8 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) कच्चे तेल का आयात किया है, जो पश्चिमी देशों से आपूर्ति में कमी और चीन की घटती मांग के बाद रूस द्वारा दिए जा रहे सस्ते तेल का सीधा परिणाम है। मैरिटाइम इंटेलिजेंस फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, रूस अब भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है। चीन द्वारा कच्चे तेल की खरीद में भारी कटौती के बाद, रूस भारत को प्रति बैरल 2 से 5 डालर की छूट पर तेल उपलब्ध करा रहा है। गौरतलब है कि मार्च से मई के बीच, जब कई देश तेल की आपूर्ति सुरक्षित करने की होड़ में थे, तब भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल के लिए 13 से 15 डालर प्रति बैरल तक अतिरिक्त कीमत चुकानी पड़ रही थी। जून में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक रही। इसके अतिरिक्त, इस महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लगभग 5.10 लाख बैरल और वेनेजुएला से 3.60 लाख बैरल कच्चा तेल आयात किया गया। भारतीय रिफाइनरियां अब अपनी खरीद रणनीति में बदलाव करते हुए रूस के अलावा वेनेजुएला, ब्राजील और अंगोला जैसे नए देशों से भी कच्चा तेल खरीद रही हैं।

केंद्र ने बढ़ाई ग्रामीण न्यूनतम मजदूरी, अब 327.4 प्रतिदिन, वीबी-जी राम जी योजना के तहत 1 जुलाई से लागू नई दरें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विकसित भारत-गारंटी फार रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत ग्रामीण न्यूनतम मजदूरी दरों में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की घोषणा की है। देर रात जारी अधिसूचना के अनुसार, ये नई दरें 1 जुलाई से प्रभावी हो गई है। अब राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रभावी न्यूनतम मजदूरी दर लगभग 10 प्रतिशत या 28.6 रुपये बढ़कर 327.4 रुपये प्रतिदिन हो गई है, जो इसके पहले मनरेगा के तहत 298.8 रुपये प्रतिदिन थी। इस बढ़ोतरी के साथ यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 रुपये से कम न हो। सरकार का दावा है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में मजदूरी दरों में 15 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जबकि केरल, हरियाणा, पंजाब और कर्नाटक में यह 360 रुपये से बढ़कर 409 रुपये तक पहुंच गई है।

कोच्चि में सीफूड एक्सपो भारत ’ के दौरान राष्ट्रीय कौशल ओलंपियाड के दूसरे संस्करण का समापन

नई दिल्ली

समुद्री खाद्य मूल्य संवर्धन पर राष्ट्रीय कौशल ओलंपियाड के दूसरे संस्करण का समापन केरल के कोच्चि में बुधवार को सीफूड एक्सपो भारत 2026 के दौरान हुआ। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विदेशी बाजारों के लिए मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य उत्पाद तैयार करने में दस प्रशिक्षित समुद्री खाद्य प्रसंस्करण पेशेवरों के कौशल का प्रदर्शन किया गया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय समुद्री खाद्य मूल्य संवर्धन कौशल ओलंपियाड के दूसरे संस्करण का भव्य फाइनल सीफूड एक्सपो भारत 2026 के दौरान कोच्चि में बुधवार को आयोजित किया गया। एमपीईडीए की इस पहल में समुद्री खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के 10 प्रशिक्षित पेशेवरों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने मूल्य संवर्धित समुद्री खाद्य उत्पादों को तैयार करने में अपनी पाक-कला और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले वाले फाइनल में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा स्थित देवी फिशरीज लिमिटेड के पी. सूर्य भास्कर विजेता के रूप में उभरे। मंत्रालय के मुताबिक तमिलनाडु के तूतीकोरिन स्थित थेवा एंड कंपनी के मुथु कुमारन ने इसमें दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित एसएस सीफूड्स प्राइवेट लिमिटेड की सागरिका सरदार तथा ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित सबरी फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की बारासरानी जेना ने क्रमशः तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि विजेता को एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 75 हजार रुपये और 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। चौथे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 25,000 रुपये का सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक कार्यक्रम से पहले एमपीईडीए ने भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर समुद्री खाद्य मूल्य संवर्धन से संबंधित 50 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से 2,500 से अधिक समुद्री खाद्य प्रसंस्करण श्रमिकों और पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक मांग वाले समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। ओलंपियाड के क्षेत्रीय चरण पश्चिमी तट क्षेत्र के लिए मुंबई तथा पूर्वी तट क्षेत्र के लिए विशाखापत्तनम में आयोजित किए गए। 30 जून को आयोजित इन क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में से 10 फाइनलिस्ट का चयन किया गया। भव्य फाइनल के दौरान प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक मांग वाले छह मूल्य संवर्धित समुद्री खाद्य उत्पाद तैयार करने का कार्य दिया गया। इनमें नोबाशी श्रिम्प, ब्रेडेड बटरफ्लाई श्रिम्प, कुक्ड पील्ड डिवेन्ड टेल-आन श्रिम्प, मैरिनेटेड श्रिम्प स्क्यूअर्स, ब्रेडेड स्क्विड रिंग्स तथा फिश फिलेट्स शामिल थे। एमपीईडीए के अध्यक्ष पी. जवाहर, निदेशक डा. राम मोहन एम.के., सचिव डा. गिबिन कुमार, संयुक्त निदेशक श्री अनिल कुमार तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (एसईएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डा. के. एन. राघवन ने विजेताओं को नकद पुरस्कार, पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। एमपीईडीए के अध्यक्ष पी. जवाहर ने कहा कि यह ओलंपियाड एक सशक्त और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी समुद्री खाद्य क्षेत्र के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होगा। एमपीईडीए गुणवत्ता आश्वासन, खाद्य सुरक्षा, प्रसंस्करण उत्कृष्टता, कार्यबल कौशल विकास, सतत समुद्री खाद्य उत्पादन तथा विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह ओलंपियाड भारत के समुद्री खाद्य निर्यात तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। इस कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, समुद्री खाद्य निर्यातक, अंतरराष्ट्रीय खरीदार, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, तकनीकी विशेषज्ञ तथा सीफूड एक्सपो भारत 2026 में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

टीवीएस मोटर की जून महीने में बिक्री 47 फीसदी बढ़कर हुई 5.90 लाख इकाई

नई दिल्ली

देश की तीसरी सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी की जून में कुल बिक्री सालाना आधार पर 47 फीसदी बढ़कर 5,90,003 इकाई हो गई। पिछले वर्ष इसी महीने यह 4,02,001 इकाई रही थी।

टीवीएस मोटर ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि मोपेड सहित कुल दोपहिया वाहन की बिक्री 47 फीसदी बढ़कर 5,65,417 इकाई रही, जो जून, 2025 में 3,85,698 इकाई रही थी। घरेलू दोपहिया वाहन बिक्री जून में 46 फीसदी बढ़कर 4,11,014 इकाई रही, जबकि जून, 2025 में यह 2,81,012 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि जून महीने में मोटरसाइकिलों की बिक्री सालाना आधार पर 1,88,774 इकाई से 42 फीसदी बढ़कर 2,67,096 इकाई रही स्कूटरों की बिक्री 53 फीसदी बढ़कर 2,47,950 इकाई हो गई, जबकि जून, 2025 में यह 1,62,291 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने बताया कि उसके इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री तीगुना होकर जून में 48,537 इकाई हो गई, जो जून 2025 में 14,400 इकाई थी।

कंपनी ने जून के दौरान 24,586 तिपहिया वाहन भी बेचे। इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय कारोबार से कुल बिक्री 47 फीसदी बढ़कर 1,72,355 इकाई रही, जबकि जून, 2025 में यह 1,17,145 इकाई थी। कंपनी की अंतरराष्ट्रीय दोपहिया वाहन बिक्री भी 48 फीसदी बढ़कर 1,54,403 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष इसी महीने में 1,04,686 इकाई थी। टीवीएस मोटर ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 16.31 लाख इकाई की अब तक की सर्वाधिक तिमाही बिक्री दर्ज की है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दोपहिया वाहनों की बिक्री 27 फीसदी बढ़कर 15.64 लाख इकाई हो गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 48 फीसदी बढ़कर 67,000 इकाई रही। इस तरह कंपनी का कुल अंतरराष्ट्रीय कारोबार 33 फीसदी बढ़कर 4.68 लाख इकाई हो गया।

नीति आयोग की पहलः खनन कचरे से निकलेंगे महत्वपूर्ण खनिज

नई दिल्ली। नीति आयोग कोयला खदानों के ओवरबर्डन, टेलिंग्स और अन्य खनन कचरे से महत्वपूर्ण खनिजों की रिकवरी को सुगम बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इसकी जानकारी हाल ही में नीति आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नई दिल्ली में दी। उन्होंने बताया कि इस क्षमता के आकलन के लिए एक तकनीकी समिति गठित की गई है। यह समिति रायल्टी, राज्य मुआवजा और निवेश प्रोत्साहनों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की जांच कर रही है। इसने कोल इंडिया, सिंगरेनी कोलियरीज, जिंदल स्टील व अडाणी समूह सहित कई कंपनियों से विचार-विमर्श किया है। समिति उन खनिजों पर रायल्टी ढांचे पर भी विचार कर रही है जहां कोयले पर पहले ही रायल्टी दी जा चुकी है, ताकि राज्य मुआवजा पाएं और आपरेटरों को निवेश प्रोत्साहन मिले।

ज्यादातर सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चेन्नई में सोने के भाव में तेजी का रुख

शुरुआती कारोबार में चांदी भी 5,200 रुपये तक महंगी हुई

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोने के भाव में कमजोरी नजर आ रही है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 1,170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है।

सोने की कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,40,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,29,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,40,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,40,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,40,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,40,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,44,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,40,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,40,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,29,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,40,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,40,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,29,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,40,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,29,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में पिछले सत्र के दौरान टेक्नोलाजी स्टाक्स में आई जबरदस्त कमजोरी के कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांकों पर दबाव बढ़ गया। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.03 प्रतिशत गिर कर 52,305.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,483.23 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 173.69 अंक यानी 0.66 प्रतिशत टूट कर 26,040.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,364.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,478.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.80 प्रतिशत लुढक कर 8,337.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,040.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 995.96 अंक यानी 1.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 69,479 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 431.62 अंक यानी 0.93 प्रतिशत फिसल कर 46,587.37 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 359.97 अंक यानी 4.53 प्रतिशत लुढ़क कर 7,943.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.91 प्रतिशत टूट कर 4,075.31 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 144.50 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,188.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.34 प्रतिशत उछल कर 5,179.06 अंक के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 100.33 अंक यानी 1.73 प्रतिशत की छलांग लगाकर 5,795.45 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 257.98 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,139 अंक के स्तर पर आया हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,594.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।